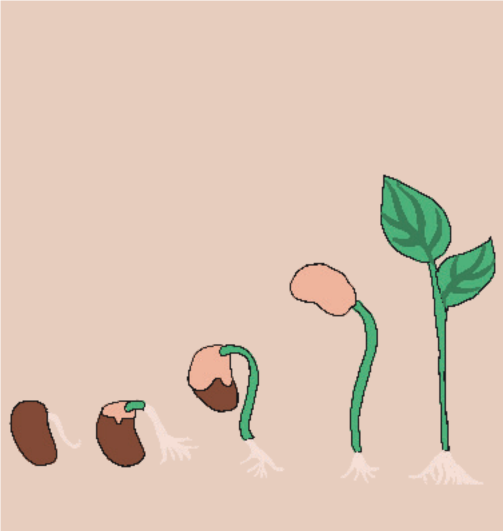

Ibtada the beginning
शुरूआत .. इब्तिदा

# फूलों और सब्ज़ियों के लिए हाई-टेक नर्सरी कैसे बनाएँ

# इस प्लेबुक
## की क्या आवश्यकता है?

फूल और सब्ज़ियाँ उगाने के लिए नर्सरी की ज़रूरत होती है, जहा बीज का अंकुरण होता है। आम तौर पर किसान अपने खेत के एक छोटे से हिस्से में ऐसी नर्सरियाँ बनाते हैं। खुले प्लॉट में बारिश, गर्मी, और अन्य प्रकार के खराब मौसम के कारण नुकसान होने की ज़्यादा संभावना रहती है। खुली नर्सरियों में अंकुरण दरों का अनुमान लगाना भी मुश्किल होता है। साथ ही यह भी कि बीज की गुणवत्ता का पता चल सके, और इनमें से निकाल कर जब पौधों का खेत में रोपण किया जाए, तब भी नुकसान ना हो। खेत में पिछली फसल काटने से पहले हाई-टेक नर्सरी बनाई जा सकती है जिससे खेत में अगली फसल लगाने में समय की बचत हो। इस विधि से अंकुरण की दर भी बढ़ जाती है।

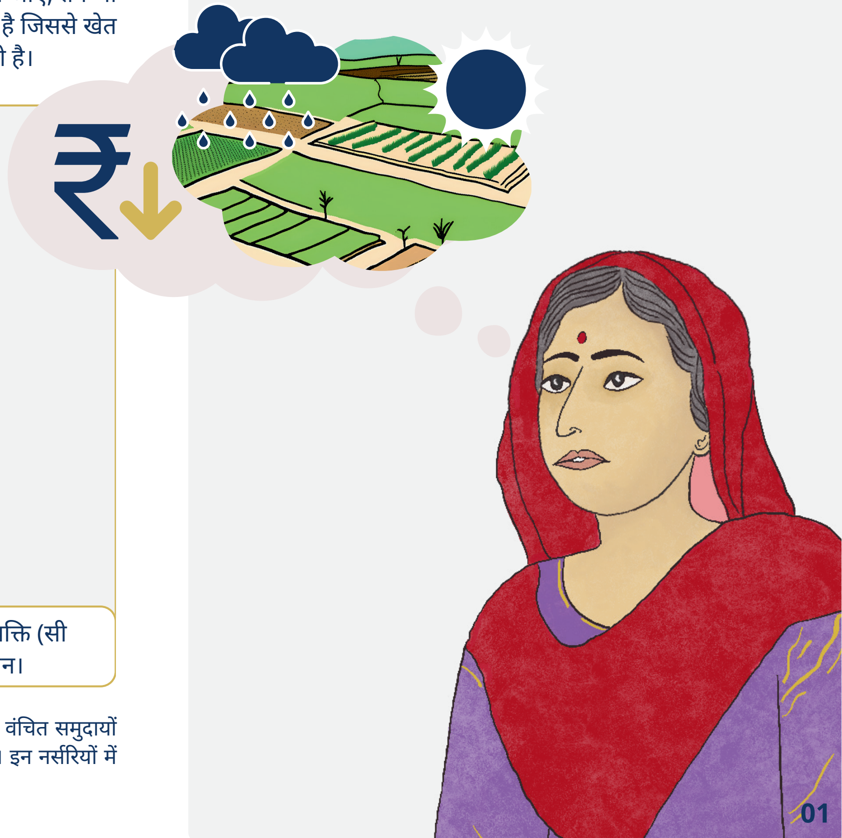

### यह समाधान अपनाया जा सकता है यदि:

लघु एवं सीमान्तर किसान।

होमस्टेड गार्डन, बैकयार्ड टेरेस आदि में न्यूनतम 10*15 फीट जगह की उपलब्धता।

मिट्टी मिश्रण के लिए आवश्यक सभी सामग्रियों की उपलब्धता।

**इस प्लेबुक को निम्नलिखित द्वारा अपनाया जा सकता है:** सामुदायिक संसाधन व्यक्ति (सी आर पी) और उत्तर-पश्चिम भारत के शुष्क क्षेत्रों में फूल और सब्जियां उगाने वाले किसान।

यह प्लेबुक **इब्तिदा** के विशेष ज्ञान के आधार पर तैयार की गई है, जो सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समुदायों तथा लघु एवं सीमान्तर/ हाशिये के किसानों को हाई-टेक नर्सरी बनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इन नर्सरियों में प्रोट्रे में बीजों से पौधे तैयार किए जाते हैं जिसे ग्रीन नेट में सुरक्षित रखा जाता है।

दीदी! एक सप्ताह से बारिश हो रही है। मेरी फसलों का क्या होगा? ऐसा लग रहा है कि इस साल भी नुकसान होगा.
यह सुनकर दुख हुआ..लेकिन आप हाई टेक प्रो-ट्रे नर्सरी का उपयोग क्यों नहीं करते? यह खुली हवा वाली नर्सरी से बहुत प्रभावी और बेहतर है।
अब हाई टेक प्रो-ट्रे नर्सरी क्या है? मैं इसके बारे में नहीं जानता..क्या आपको भी पता है?
जी हाँ...मै इसके फायदे और प्रक्रिया को संक्षिप्त में समझाती हु। यदि कोई सवाल हो तो आप मुझसे पूछ सकती है।
तो चलिए शुरू करते हैं।

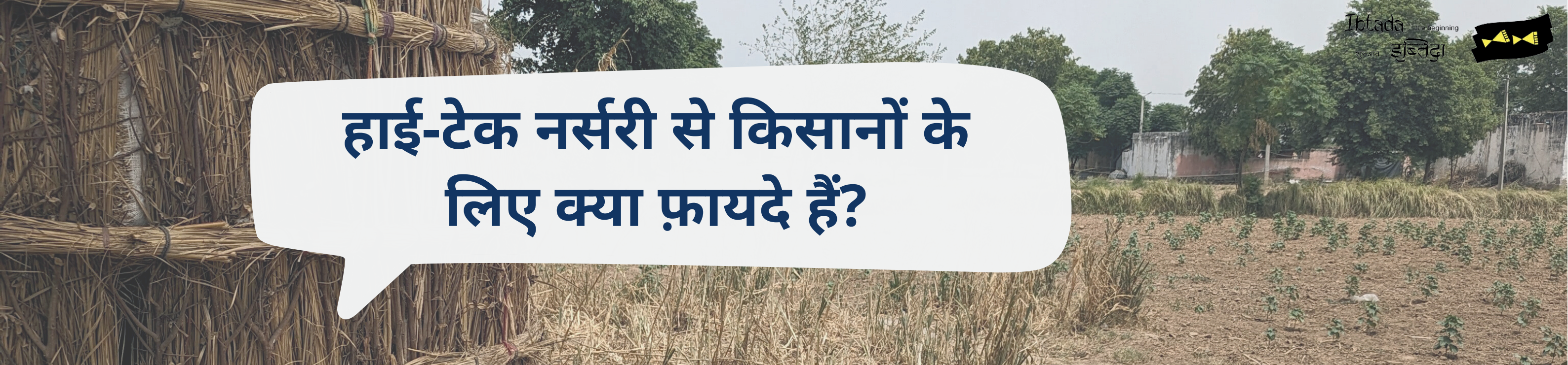

# हाई-टेक नर्सरी से किसानों के लिए क्या फ़ायदे हैं?

इससे अंकुरण की दर का ध्यान रखा जा सकता है

जल्दी अंकुरण होता है

स्वस्थ सैपलिंग का उत्पादन किया जा सकता है और इसे खराब मौसम से बचा सकते हैं

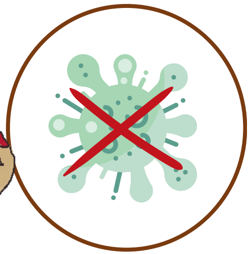

यह पौधों में रोग नियंत्रण में मदद करता है

इसे बिना किसी नुकसान के आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जा सकते हैं

जानवरो के कारण पौधों को नुक्सान नहीं होता

# हाई-टेक नर्सरी शुरू करने के चरण

01

# हाई-टेक नर्सरी के लिए एक अच्छी जगह कैसे चुनें?

## 01 जगह का चयन

अपने घर के पास या अपने घर की छत पर एक जगह चुनें। ध्यान दें कि यह जगह आपके रहने की जगह से ज़्यादा दूर न हो।

### किन जगहों पर नर्सरी बनाई जा सकती है

घर के आँगन में या आस पास

घर के छत पर

चुनी हुई जगह पर आप आसानी से जा सकें।

किन जगहों पर नर्सरी बनाई
जा सकती है

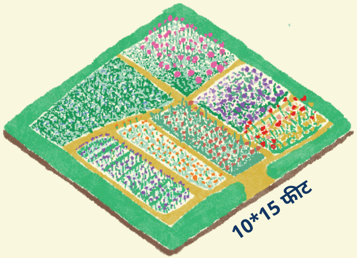


**10*15 फीट**

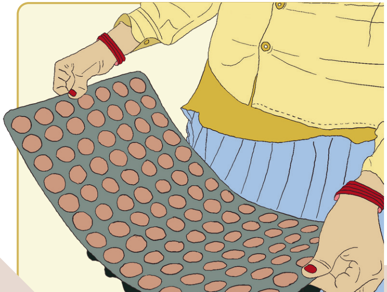

**70 प्रो ट्रे**

तक

यानी

**700 पौधे**

*100%* अंकुरण की स्थिति में रखे जा सकते हैं।

प्रत्येक ट्रे में

**98-100 स्लॉट हैं**

प्रो ट्रे के हर **चार सेट के बाद चलने और पानी देने के लिए *1* फीट का अंतर** होना चाहिए।

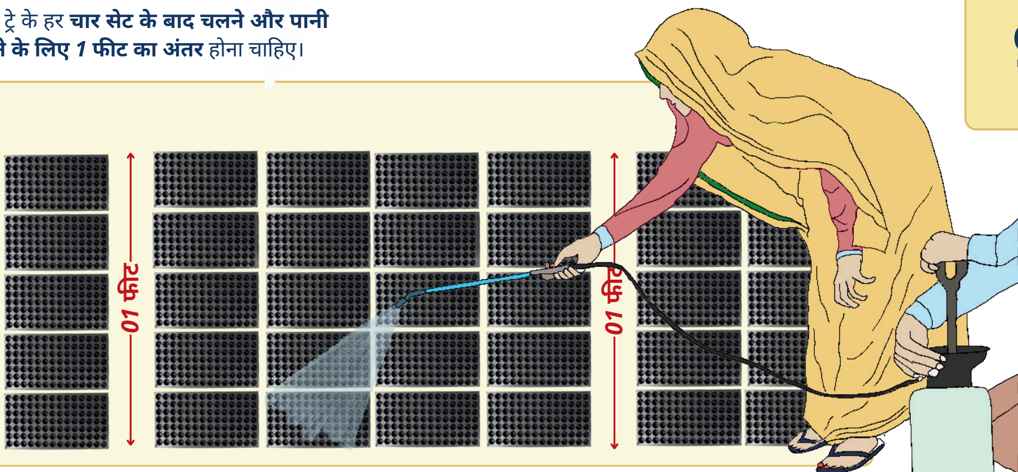


अंकुरण मौसम की स्थिति, बीज की गुणवत्ता और रखरखाव पर निर्भर करता ह।

# 02

## लेकिन हम जगह को सुरक्षित कैसे बनाएँ ?

## 01 ग्रीन नेट खरीदना

सबसे पहले, एक ग्रीन नेट या छेद वाला तारपोलिन खरीदें जिसका नाप **15*15 फिट** हो। इस ग्रीन नेट को नर्सरी की सुरक्षा के लिए लगाया जाएगा। 10 फीट *15 फीट की नर्सरी के लिए, हमें 15 फीट * 15 फीट के हरे जाल की आवश्यकता होगी जिसकी लागत लगभग 1000/- रुपये होगी।

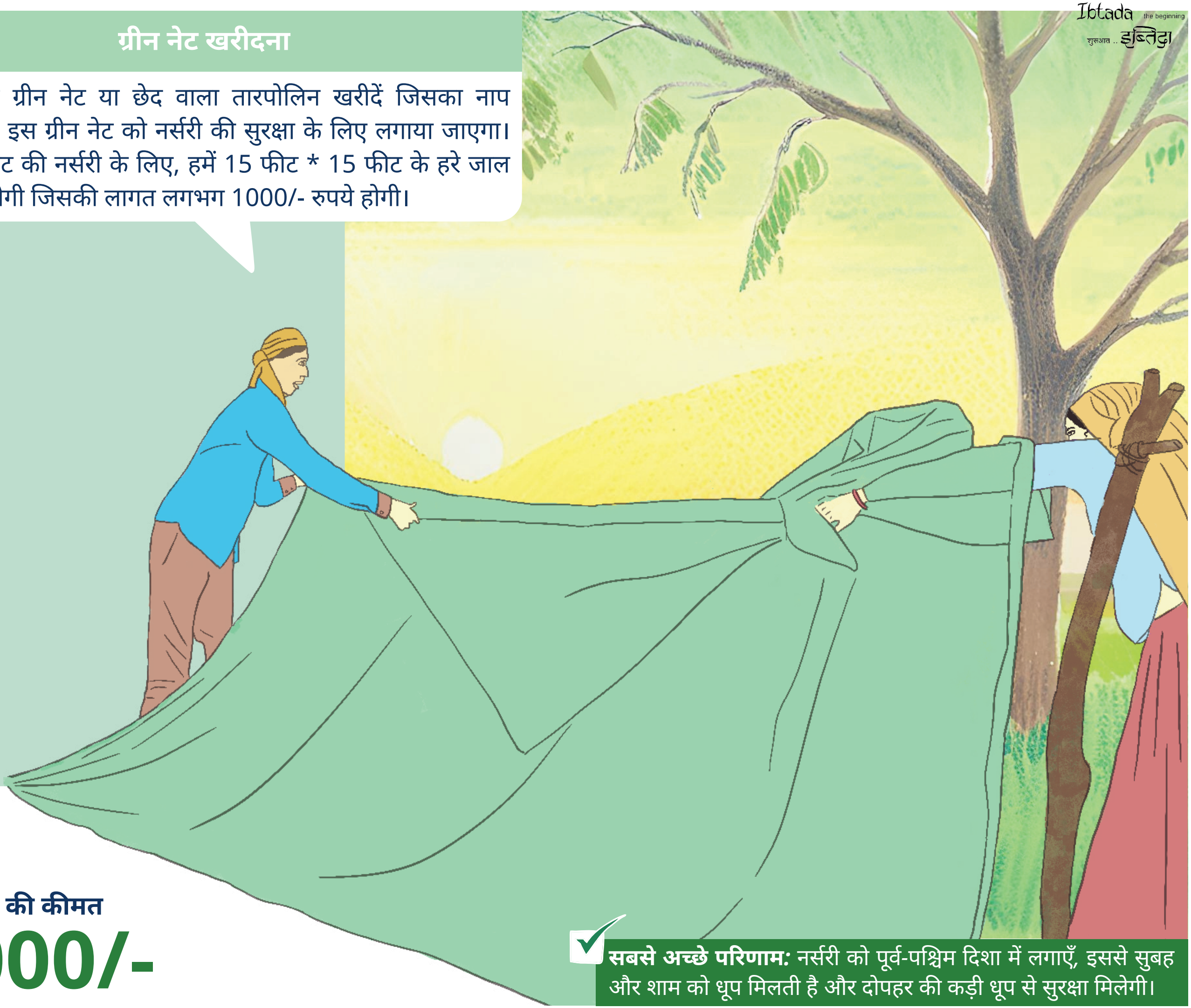

**ग्रीन नेट की कीमत**

**₹ 1000/-**

**सबसे अच्छे परिणाम:** नर्सरी को पूर्व-पश्चिम दिशा में लगाएँ, इससे सुबह और शाम को धूप मिलती है और दोपहर की कड़ी धूप से सुरक्षा मिलेगी।

## 02 छाँव के लिए पकड़ बनाना

छाँव लगाने के लिए, दो लकड़ी के डंडे खड़े करें और उनके ऊपर टिका हुआ डंडा लगाएं।

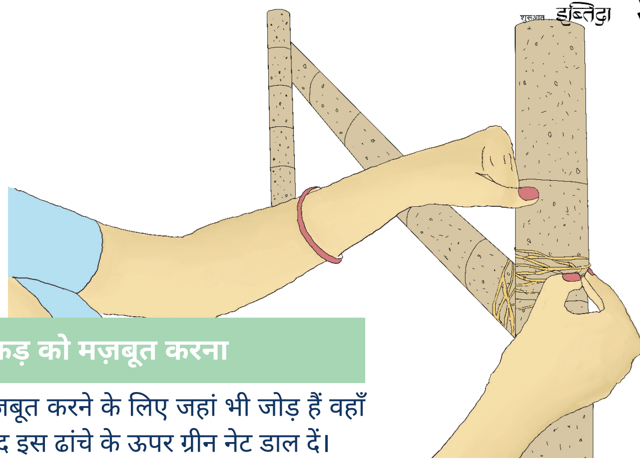

## 03 पकड़ को मज़बूत करना

इन बांस के डंडों को मज़बूत करने के लिए जहां भी जोड़ हैं वहाँ रस्सी से बाँधें। इसके बाद इस ढांचे के ऊपर ग्रीन नेट डाल दें।

## 04 ग्रीन नेट को मज़बूती से बांधना

ग्रीन नेट के चारों कोनों को ज़मीन पर ईंटों या खूँटी से बांध दें, जिससे कि वो उड़े नहीं।

# 03

# बीज डालने के लिए मिट्टी का मिश्रण कैसे तैयार करें?

## 01 प्रो-ट्रे खरीदना

प्रो-ट्रे खरीदें। यह प्लास्टिक की पट्टी वाली एक शीट जैसी होती है जिसमें 98 छेद होते हैं जिनमें बीज और मिट्टी डाले जाते हैं। एक छोटे से छेद से प्लास्टिक प्रो-ट्रे में से अतिरिकस्ट पानी निकल जाता है। प्रो-ट्रे का आकार 1x2 फिट होता है।

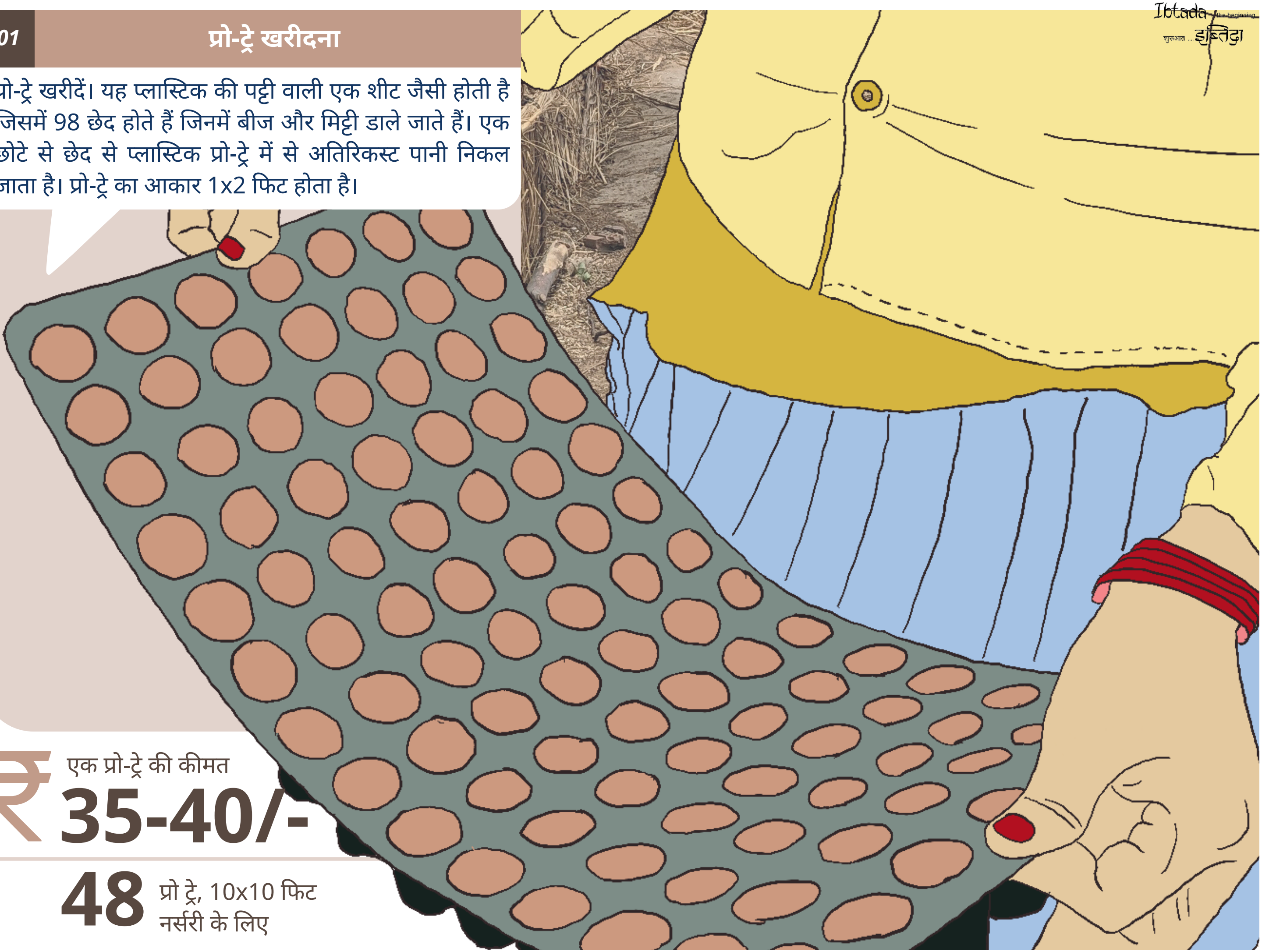

₹ एक प्रो-ट्रे की कीमत **35-40/-**

**48** प्रो ट्रे, 10x10 फिट नर्सरी के लिए

## 02 प्रो ट्रे का मिश्रण बनाना

पानी में कोकोपीट मिलाएँ जिससे कि मिश्रण फूले। उसको फुलाकर फैलाएँ। फिर कोकोपीट, वर्मी कोलाइटे और परलाइट (प्राकृतिक खनिज) मिलाएँ।

## 03 मिट्टी की ऊंची क्यारी बनाना

इस मिश्रण से प्रो-ट्रे को भरने के अलावा, थोड़ा मिश्रण क्यारी को ऊंचा करने के लिए भी रख लें।

**10-15 प्रो ट्रे के लिए**

**03** किलो
कोकोपीट

**01** किलो
वर्मी कोलाइटे

**01** किलो
परलाइट

रुकिए, इन सब की क़ीमत कितनी होगी?

**यह गणना 10-15 प्रोट्रे के हिसाब से है**

| सामग्री | मात्रा | कीमत |
|---|---|---|
| कोकोपीट | 03 किलो | 150-200/ 3 किलो |
| परलाइट | 01 किलो | 150-200/ 1 किलो |
| 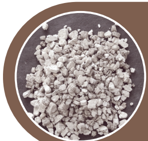 वर्मी कोलाइटे | 01 किलो | 150-200/ 1 किलो |

**नोट: बीज की कीमत फसल और बीज की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। अंकुरण दर बीज की किस्म और वातावरण पर निर्भर करती है।**

## 05 प्रो-ट्रे में मिश्रण डालना

सही मात्रा और क्रम में मिटटी का मिश्रण तैयार करने और प्रो ट्रे में भरने के बाद हलके हाथो से ऊपर से उपचारित भीज को 2 सेंटीमीटर अंदर दाल दे और क्रम को मिटटी से धक् दे। प्रो ट्रे को ग्रीन नेट के अंदर रख दे।

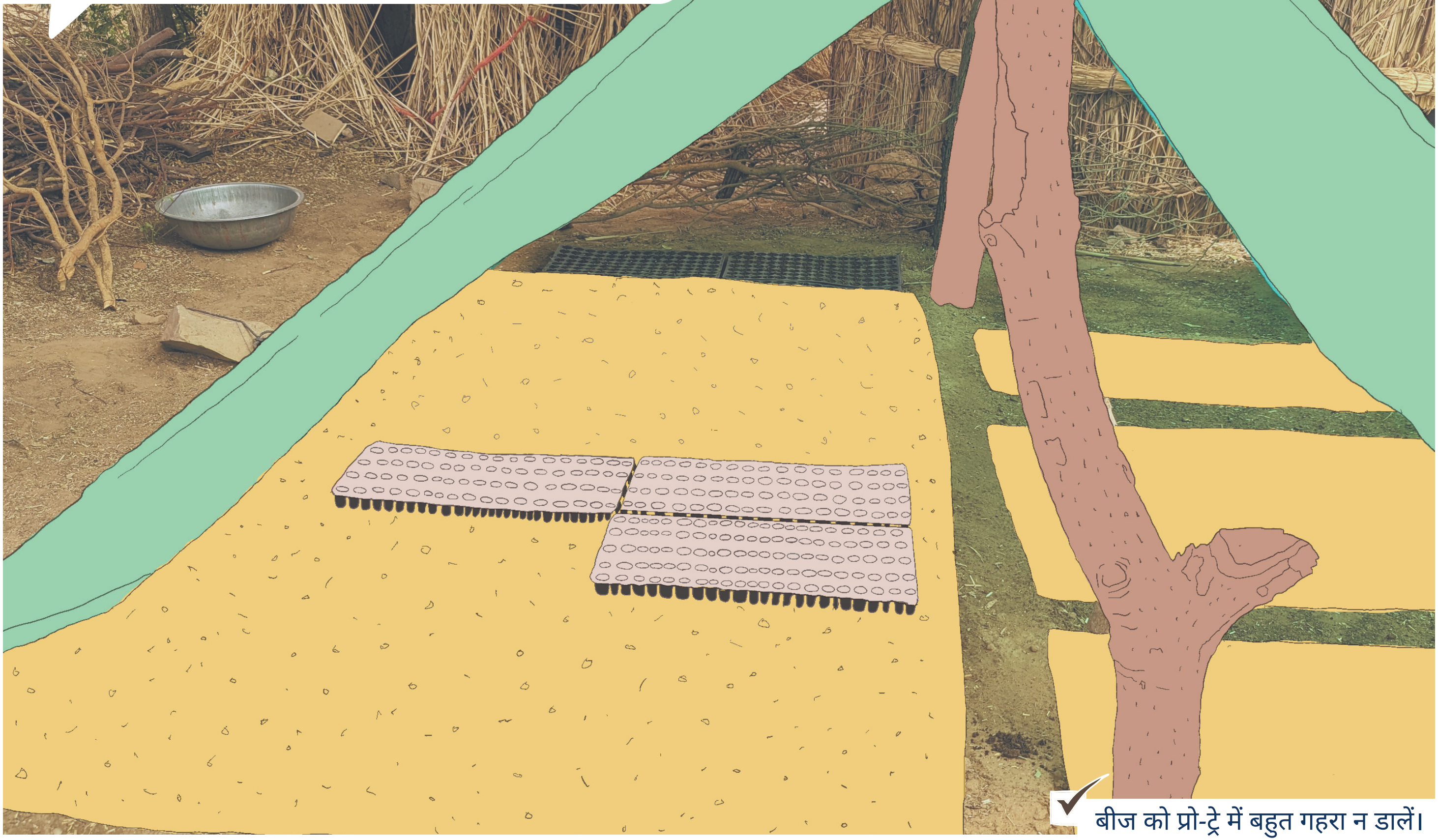

✓ बीज को प्रो-ट्रे में बहुत गहरा न डालें।

# 04

# हम नर्सरी की सुरक्षा और रख-रखाव कैसे करें?

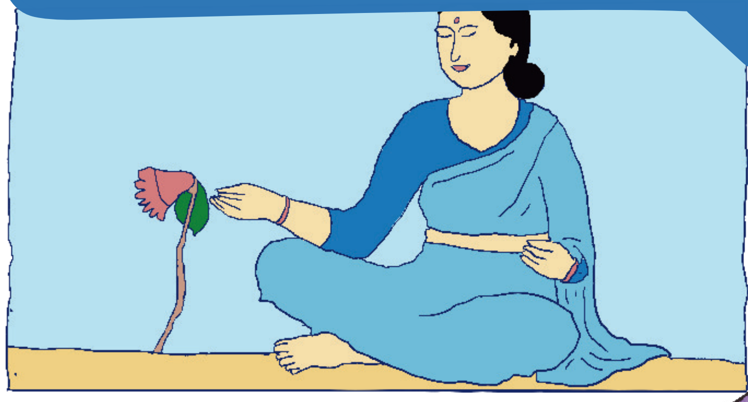

## 01 नियमित रूप से पानी देना

नर्सरी के रख-रखाव के लिए ज़रूरी है कि उसे नियमित पानी दिया जाए। पानी सिर्फ छिड़क कर या स्प्रे करके दें। मिट्टी में हल्की नमी होनी चाहिए: मिट्टी की नमी लगभग 70% होनी चाहिए।

- ✓ पानी को छिड़क कर या स्प्रे करें
- ✓ सर्दियों में, 5 दिन में एक बार पानी दें
- ✓ गर्मियों में, रोज़ पानी दें

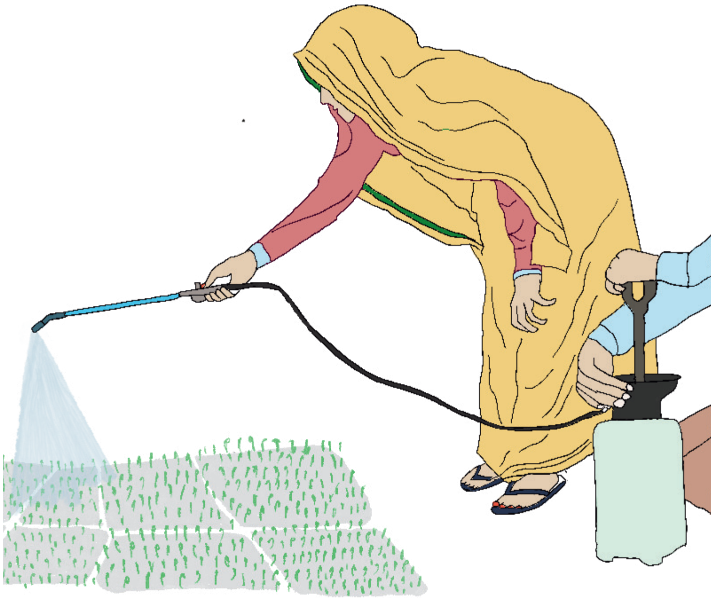

## 02 सुरक्षा

नर्सरी को टहनियों या तारों से ढँक दें जिससे कि जानवर/ पक्षी इस जगह पर न आयें।

# हाईटेक नर्सरी में इन बीजों का उपयोग किया जा सकता है

मिर्च

टमाटर

बैंगन

बांध गोभी

फूल गोबी

कद्दू

खीरा

लौकी

## अंकुरण के लिए आवश्यक दिन

| फसल का नाम | ज़ैद | खरीफ | रबी |
|---|---|---|---|
| मिर्च | 6-8 दिन | 6-8 दिन | 10-12 दिन |
| टमाटर | 5-10 दिन | 5-10 दिन | 10-15 दिन |
| बैंगन | 7-10 दिन | 7-10 दिन | 10-15 दिन |
| बांध गोभी | 7-10 दिन | 7-10 दिन | 15 दिन |
| फूल गोबी | 10-12 दिन | 10-15 दिन | 15 दिन |
| खीरा | 8-10 दिन | 8-10 दिन | 10-20 दिन |
| लौकी | 6-8 दिन | 6-8 दिन | 10-15 दिन |

## प्रत्यारोपण के लिए आवश्यक दिन

| फसल का नाम | ज़ैद | खरीफ | रबी |
|---|---|---|---|
| मिर्च | 25-30 दिन | 25-30 दिन | 40-45 दिन |
| टमाटर | 30-35 दिन | 25-30 दिन | 40-45 दिन |
| बैंगन | 30-35 दिन | 25-30 दिन | 40-45 दिन |
| बांध गोभी | 25-30 दिन | 35-40 दिन | 45-50 दिन |
| फूल गोबी | 25-30 दिन | 35-40 दिन | 45-50 दिन |
| खीरा | 30-35 दिन | 25-30 दिन | 40-45 दिन |
| लौकी | 30-35 दिन | 25-30 दिन | 40-45 दिन |

संसाधन व्यक्ति: नरेंद्र चौधरी, सहायक कार्यक्रम संचालक, इब्तदा
संपर्क करें: 9664129333